PAPER-I- PSYCHOLOGY (HONOURS) PART-I

E-STUDY-MATERIAL FOR B.A. PART-I

BY. DR. GAJENDRA TIWARI
G.D. COLLEGE, BAGAHA
M.No- 9693082589

Question:- संवेग क्या है? संवेग की अवस्था में होनेवाले बाह्य-परिवर्तनों का वर्णन करें।

Ans:-

संवेग एक भावात्मक प्रक्रिया है। संवेग अंग्रेजी के 'इमोशन' शब्द का हिन्दी रूपान्तर है। 'इमोशन' शब्द की उत्पत्ति लैटिन के 'इमोवर (emover) शब्द से हुई है, जिसका अर्थ होता है उत्तेजित करना (to stir up) या घबड़ा देना (to agitate). अतः व्युत्पत्ति के आधार पर संवेग से तात्पर्य प्राणी के उस अवस्था विशेष है जिसमें प्राणी उत्तेजित होकर जोशपूर्ण व्यवहार का प्रदर्शन करता है।

संवेग की संक्षिप्त परिभाषा देना कठिन है, क्योंकि संवेगात्मक तथा असंवेगात्मक व्यवहारों के बीच अन्तर स्पष्ट करना कठिन होता है। विभिन्न संवेग, जैसे- क्रोध, भय, ईर्ष्या, प्रेम, घृणा आदि एक दूसरे के साथ इस प्रकार मिश्रित हो जाते हैं कि उन्हें अलग-अलग करना प्रायः दुःसाध्य हो जाता है। संवेगों के परस्पर मिश्रित होने के फलस्वरूप ही संवेग भाव की अपेक्षा अत्यधिक जटिल स्वरूप का होती है। यहाँ तक कि सुखद एवं दुखद संवेग भी परस्पर मिश्रित हो जाते हैं।

उपर्युक्त कठिनाइयों के बावजूद, मनोवैज्ञानिकों ने और खासकर शरीरशास्त्रियों ने अनेक प्रकार के संवेगों का अध्ययन कर प्राणी में होनेवाले परिवर्तनों को पहचानने की कोशिश की है तथा संवेग

को परिभाषित करने की चेष्टा की है।

वुडवर्थ (Woodworth) ने संवेग को परिभाषित करते हुए लिखा है कि - " प्राणी के उत्तेजित होने की स्थिति को संवेग कहते हैं।" Emotion is the stirred up state of the organism."

वाटसन (Watson) - के अनुसार - " संवेग एक प्रकार का अप्रकट व्यवहारों का प्रतिरूप है, जिसमें सम्पूर्ण शारीरिक तंत्रों और विशेषकर अंतरावयवों एवं ग्रंथियों में भारी परिवर्तन होते हैं।

" Emotion is a pattern of implicit behaviours consisting of profound changes of the bodili mechanisms as a whole, but particularly of the visceral and glandular systems."

संवेग की सबसे उपर्युक्त परिभाषा पी॰टी. यंग ने दी है जो इस प्रकार है- " संवेग प्राणी में उत्पन्न पूर्ण रूप से तीक्ष्ण विक्षोभ की अवस्था को कहते हैं, जिसकी उत्पत्ति मनोवैज्ञानिक कारणों से होती है तथा जिसमें व्यवहार, चेतन अनुभव और अन्तरावयवों की क्रियाएं सम्मिलित रहती हैं।"

"Emotion is an acute disturbance of the individual as a whole, psychological in origin, involving behaviour, conscious experience and visceral functioning." YOUNG, P.T

इस प्रकार संवेग की अवस्था में निम्नलिखित तीन प्रकार की क्रियाएँ होती हैं:-